

30.10.23

पुनर्वली पेय हई। वकीह प्राणी/प्राणी सुखदक्षिण।  
~~वकीह~~ प्राणी/प्राणी के वकीह के काल-काल भावाज  
लाई। वकीह प्राणी/प्राणी उपक्षिप्त नही भाए/निहाज  
प्राणी का प्रा. पुन. मरुत हाजरी मरुत पैरकी में  
खादिज किमि बनाई। पुनर्वली लम्बे के कम देकर  
मिनिदेवागल में बनाई।

30/10/23